

# 主が私の手を

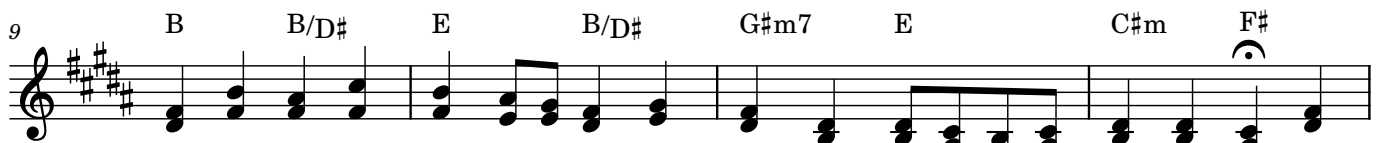
聖歌 6 5 1



1.主    が    わ    た    し    の    手    を    と    っ    く    だ    さ    ー    い    ま    す    どう  
2.あ    がる    と    き    は    の    め    で    と    っ    と    だ    は    ー    か    くの    ず    困  
3.い    つ    ま    で    あ    あ    る    く    か    ど    こ    ま    行    ー    く    の    で    か    主  
4.だ    れ    も    た    ど    り    つ    く    か    大    か    へ    い    き    で    す    主



し    て    こ    わ    が    っ    り    逃    ー    げ    た    り    ー    す    ー    る    で    や  
難    は    そ    る    け    た    ど    な    ん    と    も    お    も    い    し    ょ    う  
が    そ    み    む    れ    を    な    ー    し    た    う    ま    ま    ま    せ    ン  
が    つ    て    お    ね    ば    わ    け    な    ー    け    な    こ    こ    え    し    ょ    う



さ    し    い    主    の    手    ー    に    す    べ    て    を    ー    ま    ー    か    せ    て    た



び    が    で    き    る    と    ー    は    な    ん    た    る    め    ー    ぐ    ー    み    で    し    ょ    う